नैतिक जागरण का उन्मुक्त द्वार	डा० लुई रेनु	५९
ढाई हजार वर्ष पूर्व के जैन-संघ में	डा० डबल्यू० नोर्मन ब्राउन	६०
महान् कार्य और महान् सेवा	श्री वी० वी० गिरि	६१
संत भी, नेता भी	श्री गोपीनाथ 'अमन'	६३
आधुनिक भारत के सुकरात	महर्षि विनोद	६६
सर्व सम्मत समाधान	भारत रत्न महर्षि डी० के० कर्वे	६८
चारित्र और चातुर्य	श्री नरहरि विष्णु गाडगिल	६८
सत्य का पवित्र बन्धन	महामहिम श्री रघुवल्लभ तीर्थस्वामी	६९
समाज-कल्याण के लिए	श्री विद्यारत्न तीर्थ श्रीपादा:	६९
भारत का प्रमुख अंग	श्री गुलजारीलाल नन्दा	७०
पुरातन संस्कृति की रक्षा	श्री श्रीप्रकाश	७०
राष्ट्रोत्थान में सक्रिय सहयोग	श्री जगजीवनराम	७१
विश्व-मैत्री का राज-मार्ग	श्री यशवन्तराव चह्वाण	७१
आचार्यश्री का व्यक्तित्व	श्री हरिविनायक पाटस्कर	७२
मणि-कांचन-योग	डा० कैलाशनाथ काटजू	७२
आध्यात्मिक स्वतन्त्रता का आन्दोलन	श्री सुज्ञानेन्द्र तीर्थ श्रीपादा:	७३
पंच महाव्रत और अणुव्रत	स्वामी नारदानन्दजी सरस्वती	७३
भारत को महत्तर राष्ट्र बनाने वाला आन्दोलन	डा० बलभद्रप्रसाद	७४
महान् व्यक्तित्व	डा० वान्थर शुब्रिंग	७४
अपने आपमें एक संस्था	एच० एच० श्री विश्वेश्वरतीर्थ स्वामी	७५
प्रेरणादायक आचार्यत्व	श्री एन० लक्ष्मीनारायण शास्त्री	७५
श्रीकृष्ण के आश्वासन की पूर्ति	श्री टी० एन० वेंकट रमण	७६
बीसवीं सदी के महापुरुष	आर्चबिशप जे० एस० बिलियम्स	७८
आचार्यश्री तुलसी का एक सूत्र	आचार्य धर्मेन्द्रनाथ	८०
दो दिन में दो सप्ताह	डा० हर्बर्ट टिमी	८३
देश के महान् आचार्य	श्री जयसुखलाल हाथी	८७
नैतिक पुनरुत्थान के नये सन्देशवाहक	श्री गोपालचन्द्र नियोगी	८९
स्वीकृत कर वर ! चिर अभिनन्दन	श्री ओमप्रकाश द्रोण	९१
सुधारक तुलसी	डा० विश्वेश्वरप्रसाद	९२
मेरा सम्पर्क	कामरेड यशपाल	९५
तुम ऐसे एक निरंजन	श्री कन्हैयालाल सेठिया	९७
आचार्यश्री तुलसी मेरी दृष्टि में	सेवाभावी मुनिश्री चम्पालालजी	९८
मानवता के पोषक, प्रचारक व उन्नायक	श्री विष्णु प्रभाकर	१०१
वर्तमान शताब्दी के महापुरुष	प्रो० एन० वी० वैद्य	१०८
धर्म-संस्थापन का दैवी प्रयास	श्री एल० ओ० जोशी	१०९
प्रथम दर्शन और उसके बाद	श्री सत्यदेव विद्यालंकार	१११
तुभ्यं नमः श्रीतुलसीमुनीश !	आशुकविरत्न पण्डित रघुनन्दन शर्मा	११५
सम्प्रति वासवः	मुनिश्री कानमलजी	११६

निर्द्वन्द्वो द्वन्द्वमाश्रितः	मुनिश्री चन्दनमलजी	११६
तुलसीं वन्दे	श्री यतीन्द्र विमल चौधरी	११६
चिरं जयतु श्रीतुलसीमुनीन्द्रः	मुनिश्री नवरत्नमलजी	११७
न मनुजोऽमनुजोऽर्हति तत्तुलम्	मुनिश्री पुष्पराजजी	११७
निर्मलात्मा यशस्वी	मुनिश्री वत्सराजजी	११७
कोऽपि विलक्षणात्मा	मुनिश्री डूंगरमलजी	११८
निरन्तरायं पदमाप्तुकामः	मुनिश्री शुभकरणजी	११८
वन्द्यो न केषां भवेत् ?	श्री विद्याधर शास्त्री	११८
निष्ठाशील शिक्षक	मुनिश्री दुलीचन्दजी	११९
आञ्जनेय तुलसी	आचार्य जुगलकिशोर	१२१
तरुण तपस्वी आचार्यश्री तुलसी	श्रीमती दिनेशनन्दिनी डालमिया	१२३
चरैवेति चरैवेति की साकार प्रतिमा	श्री आनन्द विद्यालंकार	१२५
नवोत्थान के सन्देश-वाहक	श्री अमरनाथ विद्यालंकार	१२६
कुशल विद्यार्थी	मुनिश्री मीठालालजी	१३०
महान् धर्माचार्यों की परम्परा में	श्री पी० एस० कुमारस्वामी	१३२
अभिनन्दन गीत	श्री मतवाला मंगल	१३३
तुलसी आया ले 'चरैवेति' का नव सन्देश	श्री कीर्तिनारायण मिश्र	१३४
भगवान् महावीर और बुद्ध की परम्परा में	मुनिश्री सुखलालजी	१३६
जैसा मैंने देखा	श्री कैलाशप्रकाश	१४२
शत-शत अभिवन्दन	मुनिश्री मोहनलालजी 'शार्दूल'	१४३
अणुव्रत, आचार्यश्री तुलसी और विश्व-शान्ति	श्री अनन्त मिश्र	१४४
सन्तुलित व्यक्तित्व	साहू शान्तिप्रसाद जैन	१४६
आशा की झलक	श्री त्रिलोकीसिंह	१४६
महावीर व बुद्ध के सन्देश प्रतिध्वनित	महाराजा श्री करणसिंहजी	१४७
विकास के साथ धार्मिक भावना	श्री दीपनारायण सिंह	१४७
आध्यात्मिकता के धनी	श्री प्रफुल्लचन्द्र सेन	१४८
आप्त-जीवन में अमृत सींकर	श्री उदयशंकर भट्ट	१४८
नैतिकता का वातावरण	श्री मोहनलाल गौतम	१४९
प्राचीन सभ्यता का पुनरुज्जीवन	महाशय बनारसीदास गुप्ता	१४९
सर्वोत्कृष्ट उपचार	श्री वृन्दावनलाल वर्मा	१५०
आध्यात्मिक जागृति	सवाई मानसिंहजी	१५०
उत्कट साधक	श्री मिश्रीलाल गंगवाल	१५१
महान् आत्मा	डा० कामताप्रसाद जैन	१५१
प्रभावशाली चारित्रिक पुनर्निर्माण	डा० जवाहरलाल रोहतगी	१५२
तपोधन महर्षि	श्री लालचन्द सेठी	१५२
अनेक विशेषताओं के धनी	डा० पंजाबराव देशमुख	१५३
वास्तविक उन्नति	श्री गुरुमुख निहालसिंह	१५३
सफल बनें	सरसंघचालक मा० स० गोलवलकर	१५३

समाज के मूल्यों का पुनरुत्थान	श्री मोहनलाल सुखाड़िया	१५४
आचार-प्रधान महापुरुष	श्री अलगूराय शास्त्री	१५४
अपना ही परिशोधन	डा० हरिवंशराय 'बच्चन'	१५४
एक अनोखा व्यक्तित्व	मुनिश्री धनराजजी	१५५
मानवता के उन्नायक	श्री यशपाल जैन	१५७
महामानव तुलसी	प्रो० मूलचन्द सेठिया	१६२
भारतीय संत-परम्परा के एक संत	डा० युद्धवीरसिंह	१६४
आचार्यश्री का व्यक्तित्व : एक अध्ययन	मुनिश्री रूपचन्दजी	१६५
द्वितीय संत तुलसी	श्री रामसेवक श्रीवास्तव	१७०
युवा आचार्य और वृद्ध मन्त्री	मुनिश्री विनयवर्धनजी	१७५
संत-फकीरों के अगुआ	बेगम अलीजहीर	१७७
भारतीय दर्शन के अधिकृत व्याख्याता	सरदार ज्ञानसिंह राड़ेवाला	१७६
परम साधक तुलसीजी	श्री रिषभदास रांका	१८०
जन-जन के प्रिय	मुनिश्री मांगीलालजी 'मधुकर'	१८३
अनुशासक, साहित्यकार व आन्दोलन-संचालक	श्री माईदयाल जैन	१८८
अवतारी पुरुष	श्री परिपूर्णानन्द वर्मा	१९०
आचार्यश्री के शिष्य परिवार में आशुकवि	मुनिश्री मानमलजी	१९१
अमा में प्रकाश किरण	महासती श्री लाडांजी	१९३
शत बार नमस्कार	श्री विद्यावती मिश्र	१९३
आधुनिक युग के ऋषि	श्री सुगनचन्द	१९४
वे है, पर नहीं हैं	मुनिश्री चम्पालालजी (सरदारशहर)	१९५
आचार्यश्री के जीवन-निर्माता	मुनिश्री श्रीचन्दजी 'कमल'	१९६
निर्माण लिए आए हो	मुनिश्री वच्छराजजी	२००
मानवता का नया मसीहा	श्री एन० एम० झुनझुनवाला	२०१
युगधर्म उन्नायक आचार्यश्री तुलसी	डा० ज्योतिप्रसाद जैन	२०२
संघीय प्रावारणा की दिशा में	मुनिश्री सुमेरमलजी 'सुदर्शन'	२०५
तुम मानव !	मुनिश्री श्रीचन्दजी 'कमल'	२०७
इस युग के प्रथम व्यक्ति	श्री गिल्लूमल बजाज	२०८
नहीं भक्त भी, किन्तु विभक्त भी	मुनिश्री मानमलजी (बीदासर)	२११
व्यक्तित्व-दर्शन	श्री नथमल कठौतिया	२१२
आचार्यश्री तुलसी के जीवन प्रसंग	मुनिश्री पुष्पराजजी	२१३
अनुपम व्यक्तित्व	श्री फतहचन्द शर्मा 'आराधक'	२१६
भगवान् नया आया	श्री उमाशंकर पाण्डेय 'उमेश'	२२०
एक रूप में अनेक दर्शन	मुनिश्री शुभकरणजी	२२१
अमरों का संसार	मुनिश्री गुलाबचन्दजी	२२३
यशस्वी परम्परा के यशस्वी आचार्य	मुनिश्री राकेशकुमारजी	२२४
सभी विरोधों से अजेय है	मुनिश्री मनोहरलालजी	२२६
तो क्यों ?	श्री अक्षयकुमार जैन	२२७

तीर्थंकरों के समय का वर्तन	डा० हीरालाल चौपड़ा	२२८
इस युग के महान् अशोक	श्री के० एस० धरणेन्द्रैय्या	२२९
सूझ-बूझ और शक्ति के धनी	पण्डित कृष्णचन्द्राचार्य	२३०
कर्मण्येवाधिकारस्ते	रायसाहब गिरधारीलाल	२३१
विद्वान् सर्वत्र पूज्यते	श्री ए० बी० आचार्य	२३२
शतायु हों	सेठ नेमचन्द गधैया	२३३
गुरुता पाकर तुलसी न लसे	श्री गोपालप्रसाद व्यास	२३३
अर्चना	श्री जबरमल भण्डारी	२३४
का विध करहु तव रूप बखानी	श्री शुभकरण दसाणी	२३५
युग प्रवर्तक आचार्यश्री तुलसी	डा० रघुवीरसहाय माथुर	२३५
विशिष्ट व्यक्तियों में अग्रणी	श्री कन्हैयालाल दूगड़	२३६
उज्ज्वल सन्त	श्री चिरंजीलाल बड़जाते	२३६
तुमने क्या नहीं किया ?	श्री मोहनलाल कटौतिया	२३७
अहिंसा व प्रेम का व्यवहार	रायसाहब गुरुप्रसाद कपूर	२३७
धरा के हे चिर गौरव	साध्वीश्री जयश्रीजी	२३८
लघु महान् की खाई	साध्वीश्री कनकप्रभाजी	२३८
तपःपूत	मुनिश्री मणिलालजी	२३८
पाप सब हरते रहेंगे	मुनिश्री मोहनलालजी	२३९
शुभ अर्चना	मुनिश्री बसन्तीलालजी	२३९
तुम कौन ?	साध्वीश्री मंजुलाजी	२३९
गीत	साध्वीश्री सुमनश्रीजी	२३९
असाधारण नेतृत्व	श्री कृष्णदत्त	२४०
पूज्य आचार्यश्री तुलसीजी	श्री तनसुखराय जैन	२४०
आचार्यश्री तुलसी की जन्म कुण्डली पर एक निर्णायक प्रयोग	मुनिश्री नगराजजी	२४१
श्रीतुलसीजी की जन्म कुण्डली का विहंगावलोकन	पद्मभूषण पं० सूर्यनारायण व्यास	२४३
हस्तरेखा-अध्ययन	रेखाशास्त्री श्री प्रतापसिंह चौहान	२४५
एक सामुद्रिक अध्ययन	श्री जयसिंह मुणोत	२४८
आचार्यश्री तुलसी के दो प्रबन्ध काव्य	डा० विजयेन्द्र स्नातक	२५१
अग्नि-परीक्षा : एक अध्ययन	प्रो० मूलचन्द सेठिया	२५८
श्रीकालू यशोविलास	डा० दशरथ शर्मा	२६८
भरत-मुक्ति-समीक्षा	डा० विमलकुमार जैन	२७५
श्रीकालू उपदेश वाटिका	श्रीमती विद्याविभा	२८१
आषाढ़भूति : एक अध्ययन	श्री फरजनकुमार जैन	२८६
जब-जब मनुजता भटकी	मुनिश्री दुलीचन्दजी	२९१
शुभ भावना	पं० जुगलकिशोर	२९२
आचार्यप्रवर श्री तुलसी के प्रति	श्री सियारामशरण	२९२

द्वितीय अध्याय : जीवन वृत्त

जीवन वृत्त	मुनिश्री बुद्धमल्लजी	१—१३२

तृतीय अध्याय : अणुव्रत

नैतिकता का आधार	मुनिश्री नथमलजी	३
अणुव्रत-आन्दोलन और चरित्र-निर्माण	श्री सुरजित लाहिड़ी	६
अणुव्रत : विश्व-धर्म	श्री चपलाकान्त भट्टाचार्य	८
नैतिकता और समाज	डा० ए० के० मजूमदार	१०
नैतिकता : मानवता	डा० हरिशंकर शर्मा	१३
अपराध और नैतिकता	श्री गुलाबराय	१६
साहित्य और धर्म	डा० नगेन्द्र	१८
धर्म और नैतिक जागरण	श्री स्वामी शिवानन्द सरस्वती	२०
अणुव्रत-आन्दोलन का रचनात्मक रूप	श्री रघुनाथ विनायक धुलेकर	२४
अणुव्रत से : सच्चे निःश्रेयस की ओर	श्री नरेन्द्र विद्यावाचस्पति	२६
अणु युग में अणुव्रत	प्रो० शैलेन्द्रनाथ श्रीवास्तव	२८
शिक्षा की आत्मा	श्री स्वामी कृष्णानन्द	३०
दर्शन और विज्ञान में अहिंसा की प्रतिष्ठा	पं० चैनसुखदास न्यायतीर्थ	३३
प्राचीन व अर्वाचीन मूल्य	श्री सादिकअली	३६
एकता की दिशा में	श्री हरिभाऊ उपाध्याय	३८
सम्यक् कृति	डा० कन्हैयालाल सहल	४०
नैतिकता और देशकाल-परिवर्तन	डा० प्रभाकर माचवे	४३
नैतिकता का मूल्यांकन	श्री मुकुटबिहारी वर्मा	४६
अनैतिकता : अस्वस्थता का मूल कारण	डा० द्वारिकाप्रसाद	४८
प्रगतिवाद में नैतिकता की परिभाषा और व्याख्या	श्री मन्मथनाथ गुप्त	५१
राष्ट्रीय प्रगति और नैतिकता	प्रो० हरिवंश कोच्छड़	५७
भारतीय स्वाधीनता और संत-परम्परा	मुनिश्री कान्तिसागरजी	६०
धर्म और नैतिकता	श्री शोभाचाल गुप्त	६८
अणुव्रत-आन्दोलन : कुछ विचारणीय पहलू	श्री हरिदत्त शर्मा	७१
आदर्श समाज में बुद्धि और हृदय	श्री कन्हैयालाल शर्मा	७४
अणुव्रत और नैतिक पुनरुत्थान आन्दोलन	श्री रामकृष्ण 'भारती'	७६
नैतिकता और महिलाएं	श्रीमती उर्मिला वार्ष्णेय	७९
व्यापार और नैतिकता	श्री ललनप्रसाद व्यास	८२
विद्यार्थी वर्ग और नैतिकता	श्री चन्द्रगुप्त विद्यालंकार	८६
विद्यार्थी, नैतिकता और व्यक्तित्व	मुनिश्री हर्षचन्द्रजी	८८
बाल-जीवन का विकास	श्रीमती सावित्रीदेवी वर्मा	९१
अणुव्रत : जीवन की न्यूनतम मर्यादा	मुनिश्री सुमेरमलजी 'सुमन'	९५
अणुव्रत-आन्दोलन की दार्शनिक पृष्ठभूमि	श्री सत्यदेव शर्मा 'विरूपाक्ष'	९७
कानून और हृदय-परिवर्तन	श्री बी० डी० सिंह	१००
प्राचीन मिस्र और अणुव्रत	श्री रामचन्द्र जैन	१०३
आध्यात्मिक जागृति का आन्दोलन	न्यायमूर्ति श्री सधिरंजन दास	११२

सुधार और क्रान्ति का मूल : विचार	मुनिश्री मनोहरलालजी	११५
नैतिक संकट	श्री कुमारस्वामीजी	११९
समाज का आधार : नैतिकता	श्रीमती सुधा जैन	१२३

चतुर्थ अध्याय : दर्शन और परम्परा

जैन धर्म के कुछ पहलू	डा० लुई रेनु	३
जैन-समाधि और समाधिमरण	डा० प्रेमसागर जैन	६
भारतीय दर्शन में स्याद्वाद	प्रो० विमलदास कोंदिया जैन	२१
स्याद्वाद और जगत्	मुनिश्री नथमलजी	३२
स्याद्वाद सिद्धान्त की मौलिकता और उपयोगिता	डा० कामताप्रसाद जैन	५१
मानवीय व्यवहार और अनेकान्तवाद	डा० बी० एल० आत्रेय	५७
भेद में अभेद का सर्जक स्याद्वाद	मुनिश्री कन्हैयालालजी	६३
दक्षिण भारत में जैन धर्म	श्री के० एस० धरणेन्द्रैय्या	६९
निशीथ और विनयपिटक : एक समीक्षात्मक अध्ययन	मुनिश्री नगराजजी	७५
बौद्ध धर्म में आर्य सत्य और अष्टांग मार्ग	श्री केशवचन्द्र गुप्त	९३
जैन दर्शन व बौद्ध दर्शन में कर्म-वाद एवं मोक्ष	डा० वीरमणिप्रसाद उपाध्याय	९८
भारतीय और पाश्चात्य दर्शन	प्रो० उदयचन्द्र जैन	१०३
जैन राम का विकास	डा० दशरथ ओझा	१०८
जैन दर्शन के मौलिक सिद्धान्त	श्री दरबारीलाल जैन कोठिया	११६
स्वार्थ, परार्थ और परमार्थ	डा० इन्द्रचन्द्र शास्त्री	१२२
द्रव्य प्रमाणानुगम	श्री जबरमल भण्डारी	१२८
भगवान् महावीर और उनका सत्य-दर्शन	साध्वीश्री राजिमतीजी	१३८
भौतिक मनोविज्ञान बनाम आध्यात्मिक मनोविज्ञान	कर्नल सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार	१४२
जैन दर्शन में धर्मास्तिकाय-अधर्मास्तिकाय	डा० लूडो रोचेर	१४९
मानव-संस्कृति का उद्गम और आदि विकास	मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी 'प्रथम'	१५०
जैन पुराण-कथा : मनोविज्ञान के आलोक में	श्री वीरेन्द्रकुमार जैन	१५८
जैन धर्म का मर्म : समत्व की साधना	श्री अगरचन्द नाहटा	१६१
जैन दर्शन का अनेकान्तिक यथार्थवाद	श्री जे० एस० भवेरी	१६५
आदर्शवाद और वास्तविकतावाद	मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी 'द्वितीय'	१७३
कर्म बन्ध निबन्धन भूता क्रिया	श्री मोहनलाल बांठिया	१८९
भाषा : एक तात्त्विक विवेचन	मुनिश्री सुमेरमलजी (लाडनूं)	१९८
वर्तमान युग में तेरापंथ का महत्त्व	डा० राधाविनोद पाल	१९९
आचार्यश्री भिक्षु और उनका विचार-पक्ष	मुनिश्री मोहनलालजी 'शार्दूल'	२०२
तेरापंथ में अवधान-विद्या	मुनिश्री माँगीलालजी 'मुकुल'	२०८

परिशिष्ट

धवल समारोह समिति : पदाधिकारी व सदस्य	१
सम्पादक मण्डल : परिचय	४
अकारादि-अनुक्रम	५